हम सब उचित चयन से बदलाव ला सकते हैं!

हैंड प्रिंट™
टिकाऊ विकास की
तरफ क्रियाशीलता

ऊर्जा संरक्षक बनें!

भविष्य के लिए भी कुछ बचायें!

प्रेशर कुकर व सौर ऊर्जा उपकरणों का प्रयोग कर, ईंधन बचायें; वाहनों की नियमित जाँच कराएं; सी.एफ.एल. बल्ब अपनायें, घरों को प्राकृतिक प्रकाश युक्त एवम् हवादार बनवायें।

पेड़ बचाएं! पेड़ लगाएं!

हम सभी सम्राट अशोक की तरह हो सकते है!

पेड़ों से न केवल सुन्दरता, छाया, आवास व भोजन मिलता है, बल्कि ये जीवनपर्यन्त CO_2 के अवशोषक की तरह भी कार्य करते हैं।

कटौती
पुनः उपयोग
पुनःचक्रण

अपशिष्ट से जुड़ी ये बातें नई नहीं हैं!

फेंकने, त्यागने, निस्तारण { के बजाय } रिफिल, नवीनीकरण, पुनः प्राप्ति

जल संरक्षण करें!

प्रत्येक बूंद कीमती है!

पानी की बर्बादी न करें, जहाँ तक संभव हो इसका पुनः उपयोग करें; जलाशयों को दूषित न करें, वर्षा के जल का संचयन करें।

स्थानीय व मौसमी वस्तुओं का प्रयोग करें!

यही हमारी भारतीय परम्परा है!

परिरक्षित एवम् आयातित खाद्य पदार्थों में अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिसका अर्थ है CO_2 का अधिक उत्सर्जन।

संसाधनों का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग।

पीढ़ियों से यही हमारी परंपरा रही है!

ऊर्जा, ईंधन, जल, कागज इत्यादि संसाधनों को बचायें, इन्हें बर्बाद न करें।

ध्यान रहे!

इस्तेमाल न होने पर इन्हें बन्द कर दें!

बिजली के उपकरणों जैसेः टी.वी., कम्प्यूटर, म्यूजिक सिस्टम आदि को ऑन या स्टैन्डबाय मोड पर न छोड़ें; ऊर्जा बचायें, पैसे बचायें और पर्यावरण की देखभाल करें।

बस व साइकिल का प्रयोग करें! पैदल चलें!

इन्हें व्यवहार में लायें!

सड़कों पर कारें जितनी कम होगी वायु में CO_2 उतनी ही कम होगी।

कपड़े के थैलों को कहें हाँ!

प्लास्टिक के थैलों को कहें ना!

प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होती है, ये नालों में अवरोध पैदा करती हैं, ये जानवरों के लिए खतरा है एवं इसके जलने पर हानिकारक गैसें निकलती हैं; हमेशा कपड़े के थैलै का प्रयोग करें।

sciencexpress
Biodiversity Special

Supported by

HSBC

राविप्रौसंप NCSTC

CEE
Centre for Environment Education

VIKRAM A SARABHAI
COMMUNITY SCIENCE CENTRE